एनएसएस शिविर के तीसरे दिन सड़क और साइबर सुरक्षा पर हुए जागरूकता कार्यक्रम

अग्रवाल कॉलेज बल्लभगढ़ की एनएसएस इकाई 1 और 3 द्वारा प्रोग्राम ऑफिसर डॉ० सुप्रिया ढांडा और सुश्री रीतिका सहरावत के नेतृत्व में आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के तीसरे दिन का मुख्य विषय सड़क सुरक्षा और साइबर सुरक्षा रहा। इस अवसर पर ट्रैफिक ताऊ और साइबर ताऊ को मुख्य वक्ता के रूप में आमंत्रित किया गया जिन्होंने छात्रों को सड़क सुरक्षा नियमों और साइबर सुरक्षा के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराया। उन्होंने सड़क दुर्घटनाओं और साइबर फ्रॉड से बचने, सतर्क रहने और सुरक्षित ऑनलाइन गतिविधियों को अपनाने के लिए उपयोगी सुझाव दिए।

कार्यक्रम के दौरान सभी स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा की शपथ ली जिसमें यह संकल्प लिया गया कि वे सड़क पर सावधानी बरतेंगे, शराब का सेवन नहीं करेंगे और दुर्घटनाओं से बचाव के लिए सभी नियमों का पालन करेंगे।

इसके बाद एक विशेष गतिविधि आयोजित की गई जिसका उद्देश्य समाज में कार्यरत हर व्यक्ति के काम के प्रति सम्मान की भावना विकसित करना था। इस गतिविधि के तहत छात्रों ने मेहनतकश लोगों जैसे सफाई कर्मचारी, सुरक्षाकर्मी और निर्माण मजदूरों के बीच उपयोगी वस्तुएं वितरित कीं और समाज में उनके योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया।

इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने वृद्धाश्रम का दौरा किया, जहां उन्होंने वहां के बुजुर्गों से बातचीत की, उनकी कहानियां सुनीं और उनके साथ समय बिताकर उन्हें खुश करने का प्रयास किया। छात्रों ने उनके लिए केक भी लाया जिससे वृद्धाश्रम में एक आनंदमय वातावरण बना।

शिविर के दौरान सड़क सुरक्षा जागरूकता रैली निकाली गई, जिसमें स्वयंसेवकों ने सड़क सुरक्षा नियमों के पालन और यातायात नियमों की जागरूकता को बढ़ावा देने का संदेश दिया। इस रैली के माध्यम से लोगों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने और दुर्घटनाओं से बचने के प्रति प्रेरित किया गया।

दिन के अंतिम चरण में छात्रों के मनोरंजन के लिए नींबू दौड़ और तीन-पैर दौड़ का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। यह दिन न केवल ज्ञानवर्धक रहा बल्कि सामाजिक संवेदनशीलता और खेल भावना को भी प्रोत्साहित करने वाला साबित हुआ।

कॉलेज के माननीय चेयरमैन श्री देवेंद्र कुमार गुप्ता एवं महासचिव श्री दिनेश गुप्ता जी और कार्यकारी प्राचार्य डॉ० संजीव कुमार गुप्ता ने एनएसएस इकाई के कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. सुप्रिया ढांडा और सुश्री ऋतिका सहारावत के प्रयासों की सराहना की और उनके समर्पण के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की।